2018

M.A.

Semester –IV

HINDI

PAPER–403

Subject Code—05

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Illustrate the answer wherever necessary

1. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10×2

   क) अनुवाद को परिभाषित करते हुए अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि पर प्रकाश डालिए ।

   ख) अनुवादों के उपकरणों का विवेचन कीजिए ।

ग) शब्दानुवाद एवं भावानुवाद का अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

घ) साहित्यिक अनुवाद की समस्याओं पर विचार कीजिए ।

2. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 5×2

i) अनूदित पाठ का पुनर्गठन ।

ii) शब्दकोश ।

iii) लिप्यन्तरण ।

iv) कम्प्यूटर ।

3. निम्नलिखित अंश का हिन्दी अनुवाद कीजिए : 5

The world can be good and pure, only if our lives are good and pure. If it is an effect, and we are the means. So let us make ourselves perfect. What is the use of fighting and complaining ? That will not help us to better things. Do not fly away from the wheel of the world machine, but stand inside it and learn the secret of work. Go from village to village, do good to humanity and to the world at large.

4. निम्नलिखित अवतरण का अंग्रेजी-अनुवाद कीजिए : 5

गांधीजी की ऐतिहासिक उपस्थिति का सबसे बड़ा महत्त्व यह है कि उन्होंने सिद्धान्त और व्यवहार, दोनों में 'स्वयं' और 'अन्य' के बीच समाज के ऐसे बँटवारे का

निषेध किया । उनका यह निषेध सिर्फ अपने ही समाज तक सीमित नहीं था । ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध संघर्ष करते हुए भी ब्रिटिशों से घृणा न करना उनके लिए उतना ही स्वाभाविक था जितना कि उनके बहुत से समकालीनों के लिए अटपटा और अबोधगम्य । गाँधीजी जिस तरह हिन्दू होने को मुसलमान के प्रति स्थायी शत्रुता से परिभाषित नहीं करते थे, उसी तरह से वे अछूत के प्रति अपने लगाव को भी सवर्णों के प्रति आक्रोश से परिभाषित नहीं कर सकते थे ।

—o—